Written by हरीश चन्द्र तिवारी
Saturday, 02 April 2011 19:50

यशवंत जी, नमस्कार, जैसा कि संज्ञान में आया है कि संडे नई दुनिया जैसे अखबार में भी जिले स्तर पर वितरण व्यवस्था से जुड़े □जेंसी धारकों का शोषण बखूबी किया जा रहा है□ पहले तो यह होता है कि □जेंटो को बगैर बताये उनकी □जेंसी समाप्त कर दी जाती है फिर उनके द्वारा जमा करायी गयी जमानत धनराशि वापस नही की जाती है□ उत्तर प्रदेश के जनपद गोण्डा जिले में □क मामला प्रकाश में आया है□

गोण्डा नगर में संडे नई दुनिया की □जेंट सुमन तिवारी की □जेंसी 06 जून 2010 को बन्द कर दी गयी थी और उसे मार्च 2011 बीतने के बावजूद अभी तक उसकी जमानत धनराशि करीब □क लाख रुपये अखबार द्वारा वापस नही किया गया है□ □जेंट ने इस सम्बन्ध में नई दुनिया के इन्दौर, दिल्ली से लेकर लखनऊ आफिस तक अपने रुपये पाने के लिये ईमेल किया व पत्र लिखा लेकिन उसे नई दुनिया की ओर से कोई जवाब नही मिला□ श्रीमान यशवंत जी, कृपया इस विषय पर विशेष ध्यान दें□ अखबारों को समाज का पथ प्रदर्शक माना गया है और नई दुनिया जैसा बड़ा अखबार क्या □जेंटों के पैसे मार कर उसके बल पर चल रहा है या फिर वह अपने सरकुलेशन देने वाले □जेंटो का कोई अस्तित्व ही नही समझ रहा है?

द्वारा

□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□

गोण्डा

□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □□□. □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ **bhadas4media@gmail.com** □□.